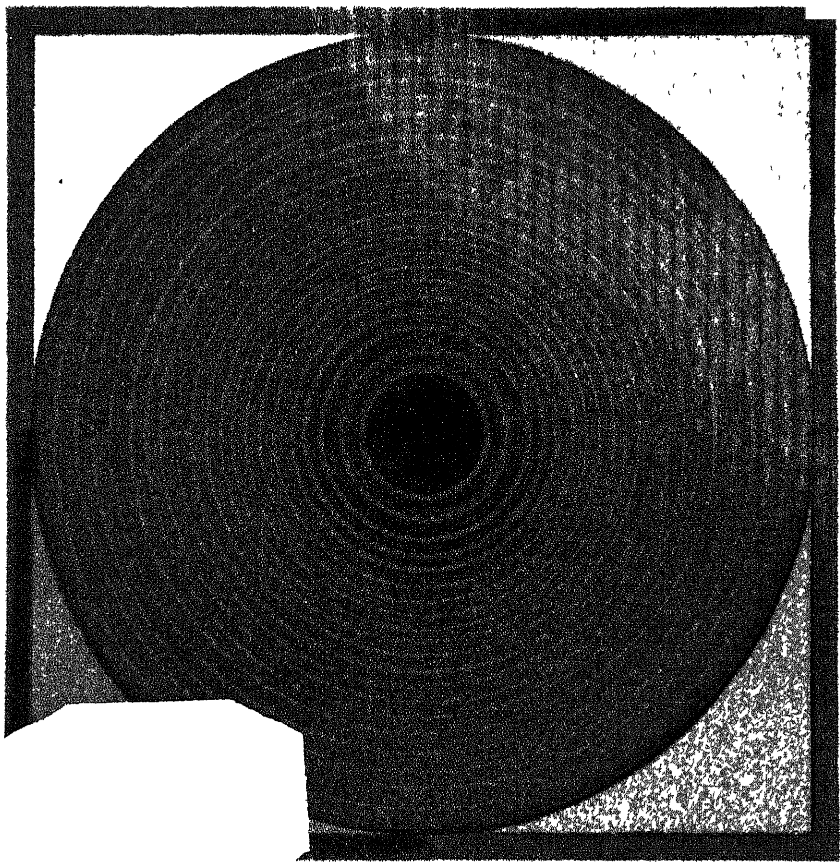
शंकराचार्य और उनकी परम्परा



डॉ० शर्वाणी मिश्र